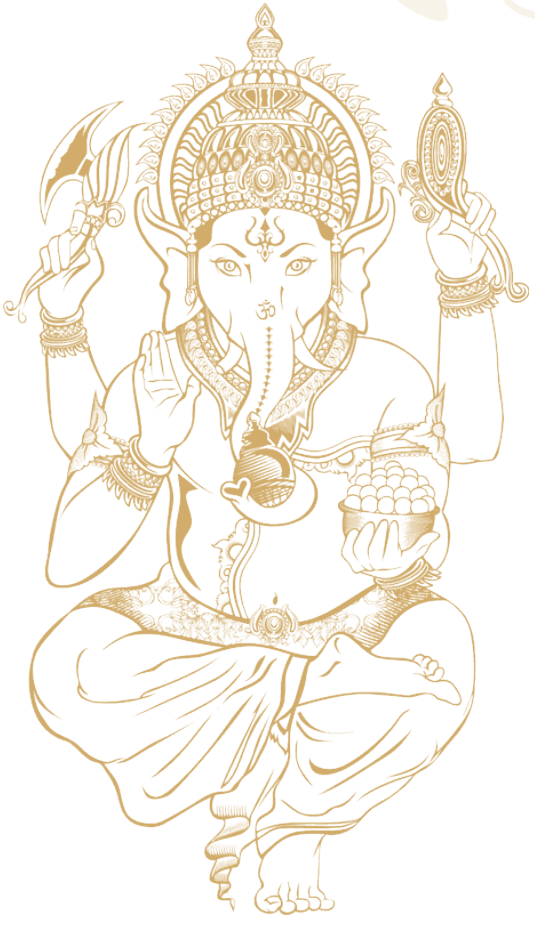

Aakash Pandey

Aakanchha mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120604805

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/03/1991	जन्म तिथि	15/12/1994
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 22:30:00	जन्म समय	07:05:00 घंटे
घटी 40:56:34	जन्म समय(घटी)	00:56:50 घटी
India	देश	India
Ayodhya	स्थान	Ayodhya
26:47:00 उत्तर	अक्षांश	26:47:00 उत्तर
82:12:00 पूर्व	रेखांश	82:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:01:12	स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:07:22	सूर्योदय	06:42:15
18:11:23	सूर्यास्त	17:10:13
23:44:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 8मा 14दि	02:21:15	वृश्चि	लग्न	धनु	03:17:22	शुक्र 0वर्ष 8मा 21दि
मंगल	04:51:07	मीन	सूर्य	वृश्चि	29:03:12	राहु
03/12/2019	18:11:42	मेष	चंद्र	मेष	26:10:58	06/09/2018
03/12/2026	28:52:07	वृष	मंगल	सिंह	06:47:08	05/09/2036
मंगल 30/04/2020	20:35:32	मीन	बुध	वृश्चि	29:34:19	राहु 19/05/2021
राहु 19/05/2021	09:59:52	कर्क व	गुरु	वृश्चि	07:25:13	गुरु 12/10/2023
गुरु 24/04/2022	07:13:58	मेष	शुक्र	तुला	16:31:31	शनि 18/08/2026
शनि 03/06/2023	10:27:45	मक	शनि	कुंभ	12:59:05	बुध 07/03/2029
बुध 30/05/2024	02:05:51	मक व	राहु व	तुला	20:38:09	केतु 25/03/2030
केतु 27/10/2024	02:05:51	कर्क व	केतु व	मेष	20:38:09	शुक्र 25/03/2033
शुक्र 27/12/2025	19:42:08	धनु	हर्ष	मक	00:44:52	सूर्य 17/02/2034
सूर्य 04/05/2026	22:46:30	धनु	नेप	धनु	28:10:16	चन्द्र 19/08/2035
चन्द्र 03/12/2026	26:27:00	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	05:08:23	मंगल 05/09/2036

लग्न-चलित

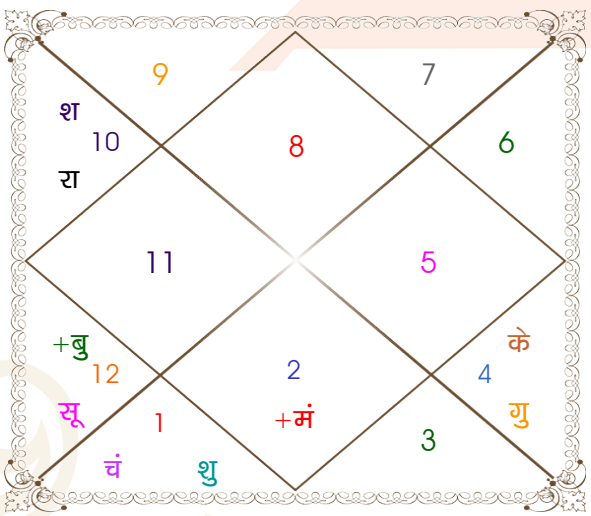

लग्न-चलित

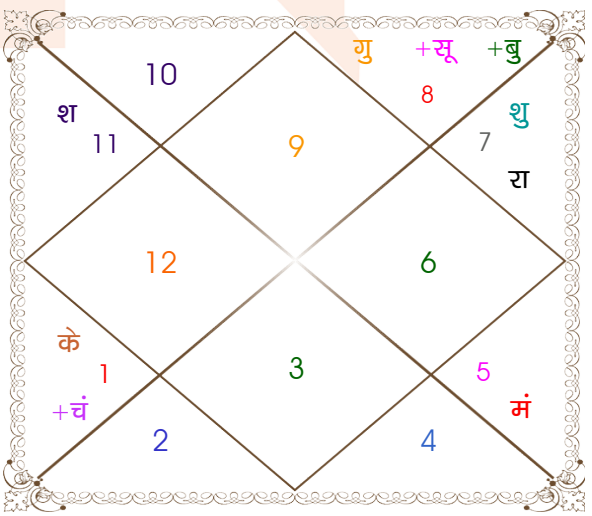

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

ïी च्ंदकमल का वर्ग मृग है तथा ïïदबीीं उपींतं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ïी च्ंदकमल और ïïदबीीं उपींतं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ïी च्ंदकमल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल ïी च्ंदकमल कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ïïदबीीं उपींतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ाांदबीीं उपेीतं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ोंी च्ंदकमल तथा ाांदबीीं उपेीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।